ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL
A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

CLASS: 12

पाठ्य सामग्री

SUBJECT :Hindi DATE: 09. 05 .2020

पाठ नाम -भाई- बहन

लेखिका परिचय:

बंग महिला (वास्तविक नाम- राजेन्द्रबाला घोष) हिन्दी की प्रथम मौलिक (आधुनिक) कहानी लेखिका के रूप में चिरस्मरणीय हैं। इनका रचना काल 1904 ई. है।[1]

- ये मीरजापुर के एक प्रतिष्ठित बंगाली महाशय राम प्रसन्न घोष की पुत्री और पूर्णचन्द्र की धर्म पत्नी थीं।
- मीरजापुर में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के संपर्क में आने के बाद बंग महिला हिन्दी लिखने लगीं।
- इन्होंने हिन्दी में बहुत-सी बंगला कहानियों का अनुवाद प्रस्तुत करके आधुनिक हिन्दी कहानी का पथ प्रशस्त किया। बाद में कुछ मौलिक कहानियाँ भी लिखीं, जिनमें 'दुलाई वाली' प्रसिद्ध है।[1]
- 'दुलाई वाली' की कहानी को हिन्दी की प्रथम मौलिक कहानी होेने का श्रेय दिया जाता है। यह 1907 ई. में 'सरस्वती'[2] में प्रकाशित हुई थी। स्थानीय रंगत[3], यथार्थ चित्रण तथा पात्रानुकूल भाषा की दृष्टि से यह कहानी दृष्यव्य है।
- बंग महिला की अन्य कहानियों (पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित) में भी ये विशेषताएँ पाई जाती हैं।
- इनका एक कहानी संग्रह 'कुसुम संग्रह' के नाम से प्रकाशित हुआ था।
- सन 1950 ई. के आस-पास बंग महिला की मृत्यु हुई।

कहानी का सारांश

भाई- बहन कहानी साहब,सुंदरिया और श्रीराम की कहानी है |सुंदरिया सबसे छोटीऔर श्रीराम सबसे बड़े है | सुंदरिया और साहब अपने पिता के साथ मेला देखने जाते है | सुंदरिया के पास तीन- चार पैसे रहते है, जिससे वह बहुत सारा सामान खरीदना चाहती है ,वही साहब केपास

ज्यादा पैसे रहते है फिर भी वह अपनी बहन से पैसे नहीं बांटता | सुंदरिया अपने लिए मिट्टी का खिलौना खरीदती है और साहब रेलगाड़ी | जब यह बात श्रीराम को पता चलता है तब श्रीराम साहब को फटकारते है और उसे कहते है कि अनजाने में ही उसने जो रेलगाड़ी खरीदी है उससे केवल विदेशी मजदूरों का ही फायदा होगा और सुंदरिया का मिट्टी का खिलौना हमारे अपने मजदूरों के लिए रोजी-रोटी का साधन बनेगा | लेकिन यह बात उस समय किसी के समझ में नहीं आता है | तब श्रीराम उन्हें समझाते है कि स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने से वह पैसा बाहर नहीं जाता और हमारे मजदूरों और कारीगरों की आर्थिक स्थिति अच्छी होगी | लेकिन यदि हम दूसरे देश की बनीवस्तुओं को खरीदते है तो इससे हमारे देश का पैसा बाहर जाता है और हमारी आर्थिक स्थिति दिनप्रतिदिन खराब होती जाती है| श्रीराम केइन बातों का साहब पर गहरा प्रभाव पड़ता है | बीस वर्षो के बाद साहब अब शहर का नामी वकील बन जाता है और उसने मातृ भंडार नामक दुकान खुलवाया जहाँकेवल स्वदेशी वस्तुएँ मिलती है ,जिससे वह देश के आर्थिक विकास में भी अपना योगदान दे रहा है | यह कहानीह हमें देश की आर्थिक स्थिति को किस प्रकार विकास के रास्ते पर ले जा सकते है वह तो बताती ही है,साथ ही हमें उस समय की सामाजिक परिस्थिति से भी अवगत कराती है |जब सुंदरिया की माँ उससे यह कहती है कि **“बेटी तुम भैया से छोटी हो न | तुम्हें सब चीज में भैया से कमती हिस्सा लेना चाहिए |” इस पंक्ति** से हमें सहज ही तत्कालीन सोच के बारे में पता चलता है | उस समय लड़किओं को लड़कों से कम आँका जाता था ,जिसकी शिकार सुंदरिया हर बार दिखाई देती है ,चाहे मेले में सामान खरीदने समय हो या ख़रीदे हुए खिलौने को दिखाना | साहब हमेशा सुंदरिया को नीचे दिखाने से बाज नहीं आता |

संक्षिप्त उतरीय प्रश्न F.M - 3x3=9

1. “मैं यह मोल लूंगी”- किस पाठ से लिया गया है? कौन किससे कहता है और कहाँ ?

उ. प्रस्तुत पंक्ति भाई-बहन नामक पाठ से लिया गया है| सुंदरिया साहब से मेले में कहती है |

2. **“बेटी तुम भैया से छोटी हो न | तुम्हें सब चीज में भैया से कमती हिस्सा लेना चाहिए |”** इस पंक्ति का आशय लिखें | इस पाठ की लेखिका कौन है ?

उ. प्रस्तुत पंक्ति से लड़कियों के प्रति संकीर्ण सोच को दिखता है | एक छोटी सी लड़की को बचपन से ही यह शिक्षा दी जाती है वह कभी भी अपने भाइयों के बराबर नहीं हो सकती ,और न ही उनके समक्ष खड़ी रह सकती है| सुंदरिया को यह शिक्षा उसकी माँ देती है , जिसका वह कभी विरोध भी नहीं करती,अपितु अपनी माँ की इन बातों को वह हमेशा ध्यान में रखती |

इस पाठ की लेखिका राजेन्द्र बाला घोष है |

3. "साहब तो पूरा बेवकूफ है"--- कौन कहता है? और क्यों?

उ. इस पंक्ति के वक्ता श्रीराम है | वक्ता इसलिए ऐसा कहता है क्यूंकि साहब नासमझी में जो रेलगाड़ी मेले से खरीद कर लाता है,उससे जो भी कमाई होती है,वह हमारे देश में न रहकर बाहर चला जाता है,जिस वजह से हमारे देश के मजदूरों और कारीगरों को कोई मुनाफा नहीं होता और न ही हमारे देश की आर्थिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं होता | फलत: हमारा देश गरीब रह जाता है |

शब्दार्थ:

हिस्सा- भाग

विश्वास- भरोसा

हौसला- साहस

मुर्खता- बेवकूफी

निज- स्वयं

तस्वीर- चित्र

कुम्हार- जोमिट्टी के बर्तन बनाता है

कारीगर- हाथ से विशेष प्रकार काकाम करने वाला व्यक्ति

NAME- PRITI TIWARI